an>

Title: Regarding conducting elections for Lok Sabha and Legislative Assemblies simultaneously in the country.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से एक अति लोक महत्व के विÂषय को सदन में उठाना चाहता हूं।

महोदया, देश के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने पिछले दिनों लोक सभा चुनाव एवं विधान सभा चुनाव एक साथ कराने जैसे गम्भीर विÂषय पर अपनी भावनाएं देश के सामने व्यक्त की थीं। लोक सभा और विधान सभा चुनाव अलग-अलग होने से जो प्रक्रिया होती है, उस प्रक्रिया में आचार संहिता लागू होने से विकास कार्यों की गति थम जाती है। नेताओं के भी बार-बार दौरे होते हैं, क्योंकि पहले लोक सभा चुनाव होता है, फिर विधान सभा चुनाव होता है, उसके बाद कुछ राज्यों में स्थानीय निकायों के चुनाव होते हैं, उसके बाद कॉर्पोरेशन्स के चुनाव आ जाते हैं और फिर बैंकों के चुनाव आ जाते हैं। पूरा साल इन्हीं चुनावों में निकल जाता है। जनता इन सारी लम्बी, थकाऊ और ऊबा देने वाली प्रक्रिया से ऊब जाती है। विकास कार्य बाधित होते हैं या कहीं आगजनी की घटना हो जाती है या कहीं बस दुर्घटना हो जाती है, लेकिन आचार संहिता लागू होने के कारण जनप्रतिनिधि वहां जाकर मदद नहीं कर पाते हैं। उस समय शासकीय अधिकारी भी मन की मर्जी के मालिक हो जाते हैं।

अतः मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि लोक सभा और विधान सभा चुनाव एक साथ सारे देश में कराए जाने की प्रक्रिया पर कदम उठाए जाएं ताकि समय, श्रम और धन की बचत हो सके। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री चन्द्र प्रकाश जोशी, श्री रोड़मल नागर, श्री सुधीर गुप्ता, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, डॉ. सत्य पाल सिंह, श्री शिवकुमार उदासि, कुमारी शोभा कारन्दलाजे, श्री आलोक संजर, श्री अरविंद सावंत, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, श्री पी.पी. चौधरी, कुँवर पुष्पÂपेन्द्र सिंह चन्देल, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, श्री श्रीरंग आप्पा बरणे, श्री राहुल रमेश शेवाले और श्री हेमंत तुकाराम गोडसे को डॉ. वीरेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।